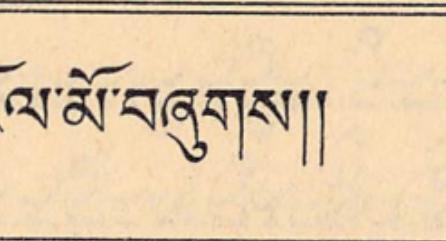


ଅ । ପରିମାଣଶକ୍ତିଷ୍ଠାନିକାରୀଙ୍କରେ ଯାହାରେ ଏହାରେ ପରିମାଣଶକ୍ତିଷ୍ଠାନିକାରୀଙ୍କରେ



卷之三

10

八

॥ ५ ॥ यस्तदेवं कर्म सुशुप्ति अवश्यकं न है। क्वापाग्रुषीयक्षमा लूके एवं  
एतुषामनि द्विसद्वयोऽप्युद्धारि। एत्युद्धारिष्यामाद्युपाक्षम्। एत्युद्धारिष्यामाद्युपाक्षम्।।  
द्विसद्वयोऽप्युद्धारिष्यामाद्युपाक्षम्। एत्युद्धारिष्यामाद्युपाक्षम्। एत्युद्धारिष्यामाद्युपाक्षम्।।  
द्विसद्वयोऽप्युद्धारिष्यामाद्युपाक्षम्। एत्युद्धारिष्यामाद्युपाक्षम्। एत्युद्धारिष्यामाद्युपाक्षम्।।





